दैनिक भास्कर
बिलासपुर भास्कर 05-09-2025

राहत • वर्तमान में स्व. लखीराम अग्रवाल और पं. देवकीनंदन दीक्षित भवन में 400-500 सीटिंग क्षमता वाले ऑडिटोरियम

हाई कोर्ट में 22 करोड़ से बनेगा शहर का सबसे बड़ा ऑडिटोरियम, 1 हजार क्षमता

सिटी रिपोर्टर | बिलासपुर

हाई कोर्ट परिसर में प्रस्तावित 1 हजार सीटिंग क्षमता वाले ऑडिटोरियम को शासन से 22 करोड़ रुपए की मंजूरी मिल गई है। फिलहाल लखीराम और देवकीनंदन दीक्षित भवन 400-500 सीटिंग क्षमता वाले ऑडिटोरियम हैं। वहीं साइंस कॉलेज में 750 सीटिंग क्षमता वाले ऑडिटोरियम का निर्माण कार्य अक्टूबर से शुरू होने की संभावना है। हाई कोर्ट का नया ऑडिटोरियम स्टेट ज्यूडिशियल एकेडमी के पास 5 एकड़ जमीन पर बनेगा।

अभी हाई कोर्ट के बड़े कार्यक्रम लखीराम ऑडिटोरियम, न्यू सर्किट हाउस या अन्य जगह होते रहे हैं। बड़ी संख्या में वकीलों की मौजूदगी के कारण लंबे समय से बड़े ऑडिटोरियम की जरूरत महसूस हो रही थी। पीडब्ल्यूडी ने कुछ माह पहले प्रस्ताव भेजा था, जिसे अब मंजूरी मिलने के बाद टीएस के लिए भेजा जाएगा और उसके बाद टेंडर निकलेगा। प्रस्तावित ऑडिटोरियम 5 एकड़ में बनेगा, जिसकी डिजाइन तैयार है। निर्माण की अवधि 18 से 24 माह तय की गई है। बड़े कार्यक्रमों में अब तक जगह की समस्या आती रही है। हाई कोर्ट का एक कार्यक्रम पूर्व में न्यू सर्किट भवन में भी हुआ था। प्रस्तावित भवन में पार्किंग की भी अलग व्यवस्था होगी। इसे स्टेट ज्यूडिशियल एकेडमी के बगल खाली पड़ी जमीन पर बनाया जाएगा।

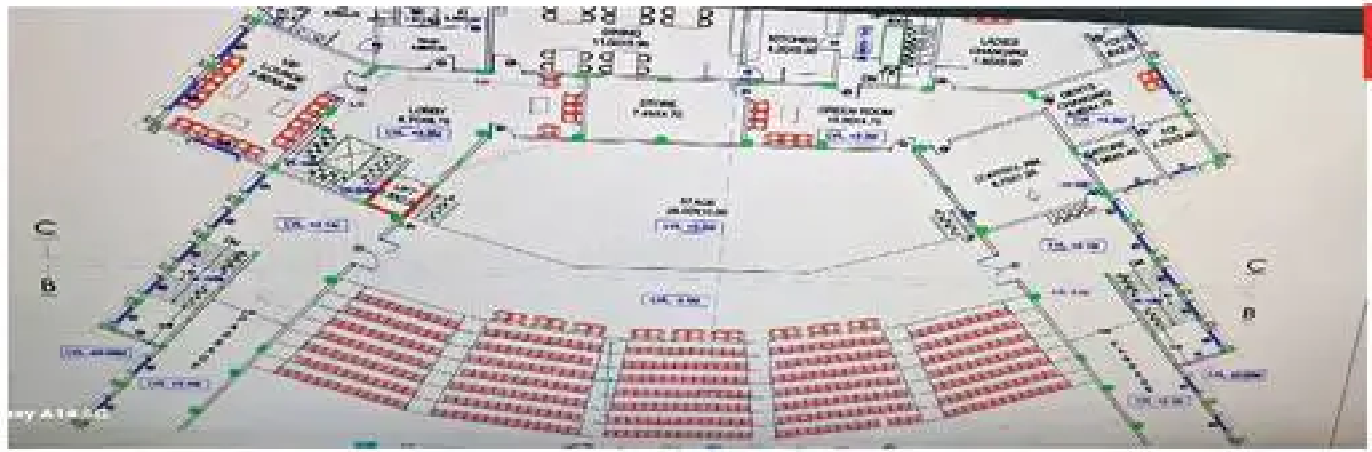

इंजीनियरिंग कॉलेज का 14.55 करोड़ का रिवाइज एस्टीमेट

साइंस कॉलेज के साथ इंजीनियरिंग कॉलेज में भी 750 सीटिंग क्षमता वाला ऑडिटोरियम अधूरा है। यहां अब तक केवल 20 फीसदी काम हुआ है। डिपॉजिट वर्क में राशि न मिलने से कांट्रैक्टर ने काम छोड़ दिया। अब 10.05 करोड़ सिविल और 4.50 करोड़ विद्युत-यांत्रिकी कार्य का रिवाइज एस्टीमेट भेजा जाएगा।

शहर के दो बड़े ऑडिटोरियम

आने वाले समय में शहर को दो बड़े ऑडिटोरियम मिलेंगे। साइंस कॉलेज का 720 सीटिंग क्षमता वाला अधूरा भवन अब पूरा होगा। दोनों ही ऑडिटोरियम का निर्माण पीडब्ल्यूडी संभाग क्रमांक-2 करेगा। हाई कोर्ट के 1000 सीटिंग क्षमता वाले ऑडिटोरियम का बजट पहले 32 करोड़ था, जिसे घटाकर 25 करोड़ भेजा गया। अब मंजूरी 22 करोड़ की मिली है। साइंस कॉलेज ऑडिटोरियम का टेंडर हो चुका है, लेकिन किसे मिला इसका खुलासा नहीं हुआ। वर्कऑर्डर जारी होने पर काम शुरू होगा।